901

801(MD)

2020

हिन्दी

केवल प्रश्नपत्र

समय : तीन घण्टे 15 मिनट पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. (क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचान कर लिखिए : 1
   (i) 'माधव विलास' नाभादास जी की रचना है ।
   (ii) 'संस्कृति के चार अध्याय' रामधारी सिंह की प्रसिद्ध कृति है ।
   (iii) सेठ गोविन्ददास महान आलोचक थे ।
   (iv) 'जय-पराजय' कृति निबन्ध विधा की रचना है ।

   (ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी एक कृति के रचनाकार का नाम लिखिए : 1
   (i) 'प्रतिशोध'
   (ii) 'जड़ की बात'
   (iii) 'प्रतीक्षा'
   (iv) 'कल्पलता'

   (ग) 'भेंट वार्ता' विधा के किसी एक लेखक का नाम लिखिए ।

   (घ) 'रेशमी टाई' किस विधा पर आधारित रचना है ?

   (ङ) 'भूले-बिसरे चित्र' के रचनाकार का नाम लिखिए ।

2. (क) प्रयोगवादी युग के किसी एक कवि का नाम लिखिए । 1
   (ख) प्रगतिवादी युग की किन्हीं दो प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए । 2
   (ग) 'छायावाद' की दो प्रमुख विशेषताएँ लिखिए । 2

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2 = 6

   (क) उनके लिए फूल-पत्तियों में कोई सौन्दर्य नहीं, झरनों के कल-कल में मधुर संगीत नहीं, अनन्त सागर-तरंगों पर गम्भीर रहस्यों का आभास नहीं, उनके भाग्य में सच्चे प्रयत्न और पुरुषार्थ का आनन्द नहीं, उनके भाग्य में सच्ची प्रीत का सुख और कोमल हृदय की शान्ति नहीं । जिनकी आत्मा अपने इन्द्रिय विषयों में ही लिप्त है; जिनका हृदय नीचाशयों और कुत्सित विचारों से कलुषित है, ऐसे नाशोन्मुख प्राणियों को दिन-दिन अन्धकार में पतित होते देख कौन ऐसा होगा जो तरस न खाएगा ? उसे ऐसे प्राणियों का साथ नहीं करना चाहिए ।

   (i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।
   (ii) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।
   (iii) हमें किस प्रकार के प्राणियों का साथ नहीं करना चाहिए ?

   (ख) "जिन हालातों में पड़कर संसार की प्रसिद्ध जातियाँ मिट गयीं, उनमें हम न केवल जीवित ही रहे, वरन अपने आध्यात्मिक और बौद्धिक गौरव को बनाये रख सके । उसका कारण यही है कि हमारी सामूहिक चेतना ऐसे नैतिक आधार पर ठहरी हुई है, जो पहाड़ों से भी मजबूत, समुद्रों से भी गहरी और आकाश से भी अधिक व्यापक है ।"

(i) उपर्युक्त गद्यांश का संदर्भ लिखिए ।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

(iii) लेखक ने गद्यांश में क्या संदेश देना चाहा है ?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी एक पद्यांश की संदर्भ-सहित व्याख्या कीजिए : 1 + 4 + 1 = 6

(क) "धूरि भरे अति सोभित स्यामजू, तैसी बनी सिर सुन्दर चोटी ।
खेलत खात फिरैं अँगना, पग पैजनी बाजति पीरी कछोटी ।।
वा छबि कों रसखानि बिलोकत, वारत काम कला निधि कोटी ।
काग के भाग बड़े सजनी, हरि-हाथ सों लै गयौ माखन रोटी ।।"

(ख) "जो साहस कर बढ़ता उसको,
केवल कटाक्ष से टोक दिया ।
जो वीर बना नभ-बीच फेंक,
बरछे पर उसको रोक दिया ।।
क्षण उछल गया, अरि घोड़े पर,
क्षण लड़ा सो गया घोड़े पर ।
बैरी दल से लड़ते लड़ते,
क्षण खड़ा हो गया घोड़े पर ।।"

5. (क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3

(i) डॉ. भगवतशरण उपाध्याय

(ii) पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

(iii) डॉ. राजेन्द्र प्रसाद

(ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी एक रचना का नाम लिखिए : 2 + 1 = 3

(i) केदारनाथ सिंह

(ii) बिहारीलाल

(iii) सुभद्रा कुमारी चौहान

6. निम्नलिखित का संदर्भ-सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3 = 4

"यथा सोम्यैकेन नखनिकृन्तनेन सर्व कार्ष्णायसं विज्ञात, स्याद्वाचारम्भणं विकारो नामधेयं कृष्णायसमित्येव सत्यमेव सोम्य स आदेशो भवतीति ।।"

अथवा

"दाक्ष्यमेकपदं धर्म्यम् दानमेकपदं यशः ।
सत्यमेकपदं स्वर्ग्य शीलमेकपदं सुखम् ।।"

7. (क) अपनी पाठ्य-पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । 2

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए : 1 + 1 = 2

(i) कूपः किमर्थ दुःखम् अनुभवति ?

(ii) 'भारतम् एकम् राष्ट्रम इति' कस्य उक्तिः ?

(iii) चन्द्रशेखरः स्वनाम किम् अकथयत् ?

(iv) लोभः केन वर्धते ?

8. (क) 'हास्य' अथवा 'करुण' रस की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । 2

(ख) 'रूपक' अथवा 'उत्प्रेक्षा' अलंकार की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । 2

(ग) 'रोला' अथवा 'सोरठा' छन्द की परिभाषा उदाहरण सहित लिखिए । 2

https://www.evidyarthi.in/

9. (क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं तीन के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 + 1 = 3

(i) अन (ii) सह (iii) अप
(iv) अभि (v) उप (vi) अध

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 = 2

(i) आई (ii) ता (iii) पन
(iv) हट (v) त्व

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के समास-विग्रह कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) कनकलता (ii) सप्तसिन्धु
(iii) वीणापाणि (iv) उत्थान-पतन
(v) यथाशक्ति

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के तत्सम रूप लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) आँख (ii) धान
(iii) पत्थर (iv) चना
(v) ऊँचा

(ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) सूर्य (ii) कमल
(iii) अग्नि (iv) विद्युत
(v) मोर

10. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो में सन्धि कीजिए तथा सन्धि का नाम लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) वन + ओकसः (ii) महा + औदार्य
(iii) मातृ + आकृति (iv) अति + अन्त

(ख) निम्नलिखित शब्दों के तृतीया विभक्ति, द्विवचन में रूप लिखिए : 1 + 1 = 2

(i) मधु अथवा नदी
(ii) युष्मद् अथवा तद् (स्त्रीलिंग)

(ग) निम्नलिखित में से किसी एक की धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2

(i) पश्येम् (ii) पक्ष्यथः
(iii) हसाम (iv) द्रक्ष्यसि

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में से क़िन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 1 + 1 = 2

(i) हमें नित्य भ्रमण करना चाहिए ।
(ii) छात्राएँ पत्र लिखेंगी ।
(iii) बड़ों का आदर करो ।
(iv) प्रयाग गंगा तट पर स्थित है ।

11. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

(i) स्वच्छ भारत अभियान ।
(ii) जल-संरक्षण की आवश्यकता और उपाय ।
(iii) वृक्षारोपण का महत्त्व ।
(iv) राष्ट्रीय एकता ।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : 3

(क) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग का कथानक लिखिए ।

(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर मेघनाद का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

(ख) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के प्रथम सर्ग का सारांश लिखिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण द्वारा 'कवच-कुण्डल दान' का वर्णन कीजिए।

(ग) (i) 'अग्रपूजा' नामक खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में अपनी भाषा में लिखिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर युधिष्ठिर का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर नायक की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ङ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' काव्य के आधार पर भामाशाह का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथा का सारांश लिखिए।

(च) (i) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मुक्ति-दूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(छ) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए।

https://www.evidyarthi.in/